

قَالَ الْمَلَأُ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا مِنْ قَوْمِهِ لَخُجْرَتِكَ

उन सरदारों ने कहा जो बडाई तलब करते थे आप की कौम में से के अे शुअैभ!

يُسْعِيْبُ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَكَ مِنْ قَرِيْبَتِنَا

उम तुम्हें और उन लोगों को भी जो तुम्हारे साथ धमान लाअे हैं अपनी बस्ती से निकाल देंगे, मगर

أَوْ لَتَعُوْدَنَّ فِيْ مِلَّتِنَا ۖ قَالَ أَوْلَوْ كُنَّا كَرِهِيْنَ ۝۸

ये के तुम उमारे मजलब में लौट आओ. शुअैभ (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया क्या अगरये उम नापसन्द करते छे?

قَدْ افْتَرَيْنَا عَلَى اللَّهِ كَذِبًا ۖ إِنْ عُدْنَا فِيْ مِلَّتِكُمْ

तब तो उम ने अल्लाह पर जूठ बोला अगर उम तुम्हारे मजलब में लौट जाअें

بَعْدَ إِذْ بَخَّسْنَا اللَّهُ مِنْهَا ۖ وَمَا يَكُوْنُ لَنَا أَنْ نَعُوْدَ

धस के बाद के अल्लाह ने उमें उस से नजात दी. और उमारे लिये जाधज नहीं छे के उम उस में

فِيْهَا إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ رَبَّنَا ۖ وَسِعَ رَبَّنَا كُلَّ

लौट जाअें मगर ये के उमारा रब अल्लाह याडे. उमारा रब धत्म के अैतेभार से डर

شَيْءٍ ۖ عِلْمًا ۖ عَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْنَا ۖ رَبَّنَا افْتَحْ بَيْنَنَا

शीज पर वसीअ छे. अल्लाह डी पर उम ने तवक्कुल किया. अे उमारे रब! तू उमारे दरमियान और उमारी

وَبَيْنَ قَوْمِنَا بِالْحَقِّ وَأَنْتَ خَيْرُ الْفَاتِحِيْنَ ۝۹ وَقَالَ

कौम के दरमियान ध-साइ के साथ इंसला कर दे और तू सभ से अरधण इंसला करने वाला छे. और उन

الْمَلَأُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ لِيْنِ اتَّبَعْتُمْ شُعَيْبًا

सरदारों ने कहा जो काइर थे आप की कौम में से के अगर तुम ने शुअैभ (अलैडिस्सलाम) का धत्तिभा किया

إِنكُمْ إِذَا لَخَسِرُوْنَ ۝۱۰ فَأَخَذْتَهُمُ الرَّجْفَةُ فَأَصْبَحُوا

तो यकीनन तुम नुकसान उठाने वाले बन जाओगे. इर उन्हे जलजले ने पकड लिया, इर वो अपने

فِيْ دَارِهِمْ جَثِيْنٍ ۝۱۱ الَّذِينَ كَذَّبُوا شُعَيْبًا

घरों में घुटने के बल पडे रेड गअे. वो लोग जिन्धों ने शुअैभ (अलैडिस्सलाम) को जूठलाया

كَانَ لَمْ يَغْنَوْا فِيْهَا ۚ الَّذِينَ كَذَّبُوا شُعَيْبًا كَانُوا

गोया वो उस में बसे डी नहीं थे. वो लोग जिन्धों ने शुअैभ (अलैडिस्सलाम) को जूठलाया वडी बसारा

هُمُ الْخٰسِرِيْنَ ۝۱۲ فَتَوَلَّىٰ عَنْهُمْ وَقَالَ يٰقَوْمِ لَقَدْ

उठाने वाले बन गअे. इर शुअैभ (अलैडिस्सलाम) ने उन से मुंड इेर लिया और इरमाया के अे कौम!

أَبْلَغْتُكُمْ رَسُولِ رَبِّي وَ نَصَحْتُ لَكُمْ فَكَيْفَ أَسَى

यकीनन में ने तुम्हें अपने रब के पैगामात पढोयाये और मैं ने तुम्हारी भैरप्वाडी की. फिर

عَلَى قَوْمٍ كَافِرِينَ ﴿٤٦﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا فِي قَرْيَةٍ مِّن نَّبِيٍّ

मैं कैसे अफसोस करूं काफिर कौम पर? और किसी बस्ती में हम ने कोई नबी नहीं भेजा

إِلَّا أَخَذْنَا أَهْلَهَا بِالْبَأْسَاءِ وَالضَّرَّاءِ لَعَلَّهُمْ

मगर हम ने वहां वालों को तकलीफ और सप्टी के जरिये पकडा, शायद वो

يَضَّرَعُونَ ﴿٤٧﴾ ثُمَّ بَدَّلْنَا مَكَانَ السَّيِّئَةِ الْحَسَنَةَ

आजिजी करें. फिर हम ने बुराई के बदले में भलाई दी

حَتَّىٰ عَفَوْا وَقَالُوا قَدْ مَسَّ آبَاءَنَا الضَّرَّاءُ وَالسَّرَّاءُ

यहां तक के वो भूब झूले झूले और उन्हों ने कडा के हमारे बाप दादा को भी तकलीफ और भुशी पडोयी थी,

فَأَخَذْنَاهُمْ بَغْتَةً وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ ﴿٤٨﴾ وَلَوْ أَنَّ أَهْلَ

फिर अथानक हम ने उन को पकड लिया इस डाल में के उन्हें पता नहीं था. और अगर बस्तियों

الْقُرَىٰ آمَنُوا وَاتَّقَوْا لَفَتَحْنَا عَلَيْهِم بَرَكَاتٍ

वाले ईमान लाते और मुत्तकी बनते, तो हम उन पर आस्मान और जमीन की बरकात

مِّنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ وَلَٰكِن كَذَّبُوا فَأَخَذْنَاهُم

भोल दैते लेकिन उन्हों ने जूठलाया, फिर हम ने उन को पकड लिया

بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿٤٩﴾ أَفَأَمِنَ أَهْلُ الْقُرَىٰ أَن يَأْتِيَهُمْ

उन आमाल की वजह से जो वो करते थे. क्या ये (मक्का की) बस्तियों वाले मामून हैं इस से के उन के पास

بَأْسَنَا بَيَاتًا وَهُمْ نَائِبُونَ ﴿٥٠﴾ أَوَامِنَ أَهْلُ الْقُرَىٰ

हमारा अजाब आ जाये रात के वकत इस डाल में के वो सोये हुवे हों? क्या ये बस्तियों वाले इस से

أَن يَأْتِيَهُمْ بَأْسُنَا ضَحًى وَهُمْ يَلْعَبُونَ ﴿٥١﴾ أَفَأَمِنُوا مَكْرَ

मामून हैं के उन के पास हमारा अजाब आ जाये याशत के वकत इस डाल में के वो भेल रहे हों? क्या फिर वो

اللَّهِ فَلَا يَأْمَنُ مَكْرَ اللَّهِ إِلَّا الْقَوْمُ الْخَاسِرُونَ ﴿٥٢﴾

अव्लाह की तदबीर से अमन मे हें? फिर अव्लाह की तदबीर से अमन में नहीं रेहते मगर असारा उठाने वाले लोग.

أَوْلَمْ يَهْدِ لِلَّذِينَ يَرِثُونَ الْأَرْضَ مِن بَعْدِ

क्या डिदायत का भाईस नहीं बनी उन लोगों के लिये जो इस जमीन के वारिस होते हैं यहां वालों के

أَهْلَهَا أَنْ تَوْ نَشَاءُ أَصَبْنَهُمْ بِذُنُوبِهِمْ ۗ وَطَبِعُ

भाह ये भात के अगर हम यादते तो उन्हे मुसीबत पडोयाते उन के गुनाहो की वजह से? और हम उन के दिलो पर

عَلَى قُلُوبِهِمْ فَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ ﴿۱۰﴾ تِلْكَ الْقُرَى نَقَصُ

मुहर लगाते हैं, फिर वो सुन नहीं पाते. ये बस्तियां जिन के कुछ किस्से हम

عَلَيْكَ مِنْ أَنْبَاءِهَا ۗ وَلَقَدْ جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُمْ

आप के सामने बयान करते हैं. यकीनन उन के पैगम्बर उन के पास

بِالْبَيِّنَاتِ ۗ فَمَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا بِهَا كَذِبُوا مِنْ قَبْلُ

रोशन मोअजिजात ले कर आये. फिर वो धिमान नहीं लाते थे इस वजह से के वो इस से पेडले जुहला

كَذَلِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ عَلَى قُلُوبِ الْكَافِرِينَ ﴿۱۱﴾

युके थे. इसी तरह अल्लाह काफ़िरो के दिलो पर मुहर लगा देते हैं.

وَمَا وَجَدْنَا لِأَكْثَرِهِمْ مِنْ عَهْدٍ ۗ وَإِنْ وَجَدْنَا أَكْثَرَهُمْ

और हम ने उन में से अकसर में वझाये अहद नहीं पाया. और यकीनन हम ने उन में से अकसर को

لَفُسِقِينَ ﴿۱۲﴾ ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِمْ مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا

नाहरमान पाया. फिर हम ने उन के भाह मूसा (अलैहिस्सलाम) को भेजा अपनी आयात दे कर

إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَ مَلَأْنَاهُ فَظَاهَمُوا بِهَا ۗ فَانظُرْ كَيْفَ كَانَ

फ़िरऔन और उस की जमाअत की तरफ़, फिर उन्हो ने उन आयात के साथ जुल्म किया. फिर आप देखिये के

عَاقِبَةُ الْمُفْسِدِينَ ﴿۱۳﴾ وَ قَالَ مُوسَىٰ يَفْرَعُونَ

इसाह झैलाने वालो का अन्जाम कैसा हुवा. और मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अे फ़िरऔन!

إِنِّي رَسُولٌ مِّن رَّبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۴﴾ حَقِيقٌ عَلَىٰ أَنْ لَا أَقُولُ

यकीनन मैं रब्बुल आलमीन की तरफ़ से भेजा हुवा पैगम्बर हूं. लाईक हूं के मैं अल्लाह के जिम्मे

عَلَى اللَّهِ إِلَّا الْحَقُّ ۗ قَدْ جِئْتُكُمْ بِبَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ

न कहुं सिवाये उक भात के. यकीनन मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ़ से रोशन मोअजिजा ले कर

فَأَرْسِلْ مَعِيَ بَنِي إِسْرَائِيلَ ﴿۱۵﴾ قَالَ إِنْ كُنْتَ جِئْتَ

आया हूं, तो तू मेरे साथ बनी इस्राईल को जाने दे. फ़िरऔन ने कहा के अगर तू मोअजिजा

بِآيَةٍ فَآتِ بِهَا إِنْ كُنْتَ مِنَ الصّٰدِقِينَ ﴿۱۶﴾ فَأَلْقَىٰ

लाया है, तो तू उस को पेश कर अगर तू सच्यो में से है. फिर मूसा (अलैहिस्सलाम) ने

عَصَاهُ فَإِذَا هِيَ ثُعْبَانٌ مُّبِينٌ ﴿۱۰۷﴾ وَ نَزَعَ يَدَهُ فَإِذَا

अपना असा डाला, तो अथानक वो जुला अजदहा बन गया. और मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपना डाय

هِيَ بَيْضَاءٌ لِلظُّرَيْنِ ﴿۱۰۸﴾ قَالَ الْمَلَأُ مِنْ قَوْمِ فِرْعَوْنَ

गिरेबान से निकाला तो अथानक वो टेबने वालों के सामने रोशन हो गया. फिरऔन की कौम के सरदारों ने कडा के

إِنَّ هَذَا لَسِحْرٌ عَلِيمٌ ﴿۱۰۹﴾ يُرِيدُ أَنْ يُخْرِجَكُمْ

यकीनन ये माडिर जादूगर है. ये याडता है के तुम्हें तुम्हारे मुल्क से निकाल

مَنْ أَرْضِكُمْ ۚ فَمَاذَا تَأْمُرُونَ ﴿۱१०﴾ قَالُوا أَرْجِهْ وَأَخَاهُ

दे. फिर तुम क्या मश्वरा देते हो? उन्हों ने कडा के उन को और उन के भाई को मोडलत दीजिये और

وَأَرْسِلْ فِي الْمَدَائِنِ حَاشِرِينَ ﴿۱११﴾ يَا تُوَكُّ بِكُلِّ سَجِرٍ

शेडरों में जादूगरों को धकडा करने वालों को भेज दीजिये. के वो आप के पास डर माडिर जादूगर को

عَلَيْكُمْ ﴿۱१२﴾ وَ جَاءَ السَّحَرَةُ فِرْعَوْنَ قَالُوا إِنَّ لَنَا

ले आओं. और जादूगर फिरऔन के पास आ गअे. उन्हों ने कडा के यकीनन डमारे लिये

لَاجْرًا إِنْ كُنَّا نَحْنُ الْغَالِبِينَ ﴿۱१३﴾ قَالَ نَعَمْ وَإِنِّكُمْ

उजरत डोनी याडिये अगर डम गालिब डुवे. फिरऔन ने कडा के ७ डं! और यकीनन तुम

لِنِ الْمَقْرَبِينَ ﴿۱१४﴾ قَالُوا يَمُوسَى إِمَّا أَنْ تُلْقَىٰ وَإِمَّا

मुकर्रबीन में से कर दिये जाओगे. जादूगरों ने कडा अे मूसा! या आप डालोगे

أَنْ تَكُونَ نَحْنُ الْمَلِيقِينَ ﴿۱१५﴾ قَالَ الْقَوْمُ فَلِمَ آتَاكَ

या डम डालें? मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के तुम डालो. फिर जब उन्हों ने डाला तो

سَكْرًا أَعْيُنَ النَّاسِ وَأَسْتَرْهَبُوهُمْ وَجَاءُوا بِسِحْرٍ

उन्हों ने डोगों की आंभों पर जादू कर दिया और उन्हों ने उन को डराना याडा और वो भारी जादू को

عَظِيمٍ ﴿۱१६﴾ وَ أَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ أَنْ أَلِقْ عَصَاهُ

ले कर आअे थे. और डम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) की तरफ वडी की के अपना असा डाल दीजिये.

فَإِذَا هِيَ تَلْقَفُ مَا يَأْفِكُونَ ﴿۱१७﴾ فَوَقَعَ الْحَقُّ وَبَطَلَ

तो अथानक वो निगलने लगा उन चीजों को जो वो जूठ बना कर लाअे थे. फिर डक साभित हो गया

مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱१८﴾ فَغَلَبُوا هَنَالِكَ وَانْقَلَبُوا

और उन का अमल भातिल हो गया. वहां पर जादूगर मगलूब हो गअे, और वो डलील

صَغِيرِينَ ﴿۱۱۹﴾ وَأُلْقَى السَّحَرَةُ سِجْدِينَ ﴿۱۲۰﴾ قَالُوا

હો ગએ. ઓર જાદૂગર સજદે મેં ગિર ગએ. ઓર ઉન્હોં ને

أَمَّا بِرَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۲۱﴾ رَبِّ مُوسَى وَهَارُونَ ﴿۱۲۲﴾

કહા કે હમ રબ્બુલ આલમીન પર ઈમાન લે આએ. જો મૂસા ઓર હારૂન (અલૈહિમસ્સલામ) કા રબ હૈ.

قَالَ فِرْعَوْنُ أَمَنْتُمْ بِهِ قَبْلَ أَنْ آذَنَ لَكُمْ

ફિરઓન ને કહા કે તુમ ઉસ પર ઈમાન લે આએ ઈસ સે પેહલે કે મેં તુમ્હે ઈજાઝત દું?

إِنَّ هَذَا لَمَكْرٌ مَّكْرْتُمْؤُهُ فِي الْمَدِينَةِ لَتُخْرِجُوا مِنْهَا

યકીનન યે હીલા હૈ જો તુમ ને ઈસ શેહર મેં કિયા હૈ તાકે તુમ ઈસ શેહર સે યહાં વાલોં કો

أَهْلَهَا ۖ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ ﴿۱۲۳﴾ لَا قَطْعَانَ أَيْدِيكُمْ

નિકાલ દો. ફિર અનકરીબ તુમ્હે માલૂમ હો જાએગા. મેં તુમ્હારે હાથ ઓર પૈર

وَأَرْجُلَكُمْ مِّنْ خِلَافٍ ثُمَّ لَأُصَلِّبَنَّكُمْ أَجْمَعِينَ ﴿۱۲۴﴾

જાનિબે મુખાલિફ સે કાટ દુંગા, ફિર મેં તુમ સબ કો સૂલી દુંગા. ઉન્હોં ને

قَالُوا إِنَّا إِلَىٰ رَبِّنَا مُنْقَلِبُونَ ﴿۱۲۵﴾ وَمَا نُنْقِمُ مِنْهَا

કહા કે યકીનન હમ અપને રબ હી કે પાસ પલટ કર જાએંગે. ઓર હમારી તરફ સે તુજે બુરી નહીં લગી

إِلَّا أَنْ أَمَّا بِآيَاتِ رَبِّنَا لَمَّا جَاءَنَا ۖ رَبَّنَا أَفْرِغْ

મગર યે બાત કે હમ અપને રબ કી આયતોં પર ઈમાન લે આએ જબ વો હમારે પાસ આઈ. એ હમારે

عَلَيْنَا صَبْرًا ۖ وَتَوَقَّفْنَا مُسْلِمِينَ ﴿۱۲۶﴾ وَ قَالَ الْمَلَأُ

રબ! હમ પર સબ્ર ઉન્ડેલ દે ઓર તૂ હમ્મેં મુસલમાન હોને કી હાલત મેં વફાત દે. ઓર ફિરઓન કી કૌમ કે

مِنْ قَوْمٍ فِرْعَوْنُ أَتَذَرُ مُوسَىٰ وَ قَوْمَهُ لِيُفْسِدُوا

સરદારોં ને કહા કે તુમ છોડતે હો મૂસા ઓર ઉસ કી કૌમ કો તાકે વો ઈસ મુલક મેં ફસાદ

فِي الْأَرْضِ وَ يَذَرَكَ وَ آلِهَتَكَ ۖ قَالَ سَنُقْبِلُ أَبْنَاءَهُمْ

ફૈલાએં હાલાંકે વો તુજે ઓર તેરે માબૂદોં કો છોડ દેતા હૈ. ફિરઓન ને કહા અનકરીબ હમ ઉન કે બેટોં કો

وَ نَسْتَحْيِ نِسَاءَهُمْ ۖ وَإِنَّا فَوْقَهُمْ قَاهِرُونَ ﴿۱۲۷﴾ قَالَ

કતલ કર દેંગે ઓર ઉન કી ઓરતોં કો કિન્દા રેહને દેંગે. ઓર યકીનન હમ ઉન પર ગાલિબ હૈ મૂસા (અલૈહિસ્સલામ)

مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ اسْتَعِينُوا بِاللَّهِ وَاصْبِرُوا ۗ إِنَّ

ને અપની કૌમ સે ફરમાયા કે તુમ અલ્લાહ સે મદદ માંગો ઓર સબ્ર કરો.

الْأَرْضَ لِلَّهِ يُورِثُهَا مَنْ يَشَاءُ مِنْ عِبَادِهِ ۝ ط

ये जमीन अल्लाह की है, अल्लाह उस का वारिस उसे बनाते हैं जिसे चाहते हैं अपने बन्दों में से.

وَالْعَاقِبَةُ لِلْمُتَّقِينَ ﴿۱۳۰﴾ قَالُوا أَوْزَيْنَا مِنْ قَبْلُ

और अथवा अन्जाम मुत्तकियों के लिये है. उन्होंने ने कडा के डमें षजा दी गई षस से पेडले के

أَنْ تَأْتِيَنَا وَمِنْ بَعْدِ مَا جِئْتَنَا ۝ قَالَ عَسَىٰ رَبُّكُمْ

आप डमारे पास आये और उस के बाद भी के आप डमारे पास आये. मूसू (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया

أَنْ يُّهْلِكَ عَدُوُّكُمْ وَيَسْتَخْلِفَكُمْ فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرَ

के डो सकता है तुम्हारा रब तुम्हारे दुश्मन को डलाक कर दे और तुम्हें षस मुडक में जानशीन बनाये,

كَيْفَ تَعْمَلُونَ ﴿۱۳۱﴾ وَلَقَدْ أَخَذْنَا آلَ فِرْعَوْنَ

इर डेये तुम कैसे अमल करते डो. और यकीनन डम ने आले इरऔन को पकडा

بِالسِّنِينَ وَنَقَصِ مِنَ الثَّمَرَاتِ لَعَلَّهُمْ يَذَّكَّرُونَ ﴿۱۳۲﴾

कडतसाली और इलों की कमी के जरिये ताके वो नसीडत डसिल करें.

فَإِذَا جَاءَتْهُمْ الْحَسَنَةُ قَالُوا لَنَا هَذِهِ ۝

इर जब उन्हें भुशडाली पडोंयती, तो वो केडते के ये तो डमारा डक है.

وَإِنْ تُصِبْهُمْ سَيِّئَةٌ يَطَّيَّرُوا بِمُوسَىٰ وَمَنْ مَعَهُ ۝ ط

और अगर उन्हें मुसीबत पडोंयती तो वो भडडाली लेते मूसू (अलैडिस्सलाम) से और उन डोगों से जो मूसू

إِلَّا إِنَّمَا طَّيَّرَهُمْ عِنْدَ اللَّهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ

(अलैडिस्सलाम) के साथ थे. सुनो! उन डी की नडूसत अल्लाह के पास है, डेकिन उन में से अकसर

لَا يَعْلَمُونَ ﴿۱۳۳﴾ وَقَالُوا مَهْمَا تَأْتَانَا بِهِ مِنْ آيَةٍ

जानते नहीं. और उन्होंने ने कडा के जो मोअजिजा भी आप डमारे पास लाओगे

لِتَسْحَرَنَا بِهَا ۝ فَمَا نَحْنُ لَكَ بِسُؤْمِنِينَ ﴿۱۳۴﴾ فَأَرْسَلْنَا

ताके तुम उस के जरिये डम पर जाडू करो, तब भी डम उसे मानने वाले नहीं हैं.

عَلَيْهِمُ الطُّوفَانَ وَالْجَرَادَ وَالْقُمَّلَ وَالضَّفَادِعَ

इर डम ने उन पर डेजा तूडान और डिडी और जुअें और डे-डक

وَالدَّمَ آيَاتٍ مُفْصَلَاتٍ ۝ فَاسْتَكْبَرُوا وَكَانُوا قَوْمًا

और भून, तइसीलवार निशानियां. इर उन्होंने ने बडा बनना याडा और वो मुजरिम

مُجْرِمِينَ ﴿۳۳﴾ وَلَمَّا وَقَعَ عَلَيْهِمُ الرِّجْزُ قَالُوا يَا مُوسَىٰ

کرم थी. और जब उन पर अजाब वाकेअ हो युका तो केडने लगे के अे मूसा!

ادْعُ لَنَا رَبَّكَ بِمَا عَهِدَ عِنْدَكَ ۖ لَئِن كَشَفْتَ

आप हमारे लिये अपने रब से दूआ कीजिये उस अउद क्री वजह से जो उस ने आप से कर रभा है. के अगर

عَنَّا الرِّجْزَ لَنُؤْمِنَنَّ لَكَ وَلَنُرْسِلَنَّ مَعَكَ بَنِيَّ

ये अजाब तू हम से उटा देगा तो हम तुज पर धमान ले आअेंगे और तेरे साथ बनी ईस्राईल को

إِسْرَائِيلَ ﴿۳۴﴾ فَلَمَّا كَشَفْنَا عَنْهُمْ الرِّجْزَ إِلَىٰ آجَلٍ هُمْ

भेज देंगे. फिर जब हम ने उन से अजाब उटा दिया अेक वकत तक जिस

بَلِغُوهُ إِذَا هُمْ يَنْكُتُونَ ﴿۳۵﴾ فَانْتَقَبْنَا مِنْهُمْ فَأَعْرَقْنَاهُمْ

को वो पछोयने वाले थे, तो अथानक वो अउदशिकनी करने लगे. फिर हम ने उन से धन्तिकाम लिया, फिर

فِي الْيَمِّ بِأَنَّهُمْ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَكَانُوا عَنْهَا

हम ने उन्हे गक किया समन्दर में इस वजह से के वो हमारी आयतों को जूठलाते थे और उन से

غَافِلِينَ ﴿۳۶﴾ وَ أَوْرَثْنَا الْقَوْمَ الَّذِينَ كَانُوا يُسْتَضْعَفُونَ

गाइल थे. और हम ने वारिस बनाया उस कौम को जिस को कमजोर किया जा रहा था

مَشَارِقَ الْأَرْضِ وَمَغَارِبَهَا الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا ۗ

जमीन के मशरिक व मगरिब में उस जमीन का जिस में हम ने भरकते रभी हैं.

وَتَمَّتْ كَلِمَتُ رَبِّكَ الْحُسْنَىٰ عَلَىٰ بَنِي إِسْرَائِيلَ ۗ

और आप के रब के अखे कलिमात पूरे हो कर रहे बनी ईस्राईल पर

بِمَا صَبَرُوا ۗ وَ دَمَرْنَا مَا كَانَ يَصْنَعُ فِرْعَوْنُ

इस वजह से के उन्हों ने सभ्र किया. और हम ने तबाह कर दिया उस को जिसे फिरऔन और उस की कौम

وَقَوْمَهُ ۗ وَمَا كَانُوا يَعْرِشُونَ ﴿۳۷﴾ وَجُوزْنَا بِبَنِي

बना रही थी और उन धमारतों को जिन्हे वो उंया बनाते थे. और हम ने बनी ईस्राईल

إِسْرَائِيلَ الْبَحْرَ فَأَتَوْا عَلَىٰ قَوْمٍ يَعْكِفُونَ

को समन्दर पार करा दिया, फिर वो आअे अेक कौम पर जो अपने भुतों पर

عَلَىٰ أَصْنَامٍ لَهُمْ ۗ قَالُوا يَا مُوسَىٰ اجْعَلْ لَنَا إِلَهًا كَمَا

जमे हुवे थे. वो केडने लगे अे मूसा! आप हमारे लिये भी माभूद मुकरर कर दीजिये जैसा के उन के

لَهُمُ الْهَيْهَاتُ ۖ قَالَ إِنَّكُمْ قَوْمٌ تَجْهَلُونَ ﴿۱۳۶﴾ إِنَّ هَؤُلَاءِ

लिये भाबूह हैं। मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया यकीनन तुम ऐसी क्रोम हो जो जडलत की आते करते हो। यकीनन

مُتَّبِرٌ مَّا هُمْ فِيهِ وَ بَاطِلٌ مَّا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۷﴾

ये लोग जिस थीज (दीन) में लगे हैं वो तबाह होने वाला हैं और आतिल हैं वो काम जो वो कर रहे हैं।

قَالَ اغْيِرْ اللَّهُ أَبْغِيكُمْ إِلَهًا وَهُوَ فَضَلَكُمْ

मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया क्या मैं अल्लाह के अलावा किसी को भाबूह के तौर पर तुम्हारे लिये तलाश करूं

عَلَى الْعَالَمِينَ ﴿۱۳۸﴾ وَإِذْ أَخْبَيْنَكُمْ مِّنْ آلِ فِرْعَوْنَ

डालांके उस ने तुम्हें तमाम जडान वालों पर इजलीत दी है। और जब डम ने तुम्हें आले फिरऔन से

يَسُومُونَكُمْ سُوءَ الْعَذَابِ يُقْتَلُونَ أَبْنَاءَكُمْ

नजात दी जो तुम्हें बढतरिन सजा के जरिये तकलीफ देते थे, तुम्हारे बेटों को कतल करते थे

وَ يَسْتَحْيُونَ نِسَاءَكُمْ ۖ وَفِي ذَلِكُمْ بَلَاءٌ

और तुम्हारी औरतों को जिन्दा रेडने देते थे। और उस में तुम्हारे रब की

مِّنْ رَبِّكُمْ عَظِيمٌ ﴿۱۳۹﴾ وَوَعَدْنَا مُوسَى ثَلَاثِينَ

तरफ से भारी इम्तिडान था। और डम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) से तीस रात का वादा किया।

لَيْلَةً وَأَتَمْنَا بِعَشْرِ فِتْمٍ مِّمَّاتِ رَبِّهِ أَرْبَعِينَ

और डम ने उन को और दस रातों के जरिये पूरा किया, फिर आप के रब का मुकरर किया डुवा वकत यालीस

لَيْلَةً ۗ وَ قَالَ مُوسَى لِأَخِيهِ هَارُونَ اخْلُفْنِي

रातें पूरी हो गईं। और मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपने भाई डारून (अलैहिस्सलाम) से इरमाया के तुम मेरे जानशीन

فِي قَوْمِي وَأَصْلِحْ وَلَا تَتَّبِعْ سَبِيلَ الْمُفْسِدِينَ ﴿۱۴०﴾

बन कर रहो मेरी क्रोम में और इस्लाह करना और इसाह डैलाने वालों के रास्ते पर मत चलना। और जब

وَلَمَّا جَاءَ مُوسَى لِبِيعَاتِنَا وَكَلَّمَهُ رَبُّهُ ۖ قَالَ

मूसा (अलैहिस्सलाम) आये डमारे वकते मुकरर पर और उन के रब ने उन से कलाम किया तो मूसा (अलैहिस्सलाम) ने कहा

رَبِّ أَرِنِي وَلَكِن

ओ मेरे रब! आप मुजे दिभाईये के मैं आप की तरफ डेभूं अल्लाह ने इरमाया के आप डरगिज मुजे डेभ नईं

انظر إلى الجبل فإن استقر مكانه فسوف

सकते, डेकिन आप निगाड कीजिये पडड की तरफ, फिर अगर वो अपनी जगा पर डेडरा रहे तो अनकरीब

تَرِنِّي ۚ فَلَمَّا تَجَلَّىٰ رَبُّهُ لِلْجَبَلِ جَعَلَهُ دَكًّا وَخَرَّ

आप मुझे द्रव्योगे. फिर जब मूसा (अलैडिस्सलाम) के रब ने पहाड पर तजल्ली इरमाई तो उसे रेजा रेजा कर दिया

مُوسَىٰ صَعِقًا ۚ فَلَمَّا أَفَاقَ قَالَ سُبْحٰنَكَ تُبَّتْ

और मूसा (अलैडिस्सलाम) बेडोश डो कर गिर गये. फिर जब डोश में आये तो केडने लगे आप पाक हैं, मैं आप

إِلَيْكَ وَأَنَا أَوَّلُ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۳﴾ قَالَ يُمُوسَىٰ

की तरफ तौबा करता हूं और मैं सब से पेडले इमान लाने वाला हूं. अल्लाड ने इरमाया के अे मूसा!

إِنِّي اصْطَفَيْتُكَ عَلَى النَّاسِ بِرِسٰلَتِي وَ بِكَلٰمِي ۚ

मैं ने आप को मुन्ताज किया तमाम इन्सानों से अपने पैगामात दे कर और मेरी डमकलामी के जरिये.

فَخُذْ مَا آتَيْتُكَ وَكُن مِّنَ الشَّاكِرِينَ ﴿۱۴﴾ وَكَتَبْنَا لَهُ

इस लिये आप लीजिये उसे जो मैं ने आप को दिया और आप शुक्रगुजारों में से रहिये. और डम ने उन्डे

فِي الْأَنْوَٰجِ مِنْ كُلِّ شَيْءٍ مَّوْعِظَةً وَتَفْصِيلًا

तभतियों में डर थीज की नसीडत और तइसील डर थीज की लिख

لِكُلِّ شَيْءٍ ۚ فَخُذْهَا بِقُوَّةٍ وَأْمُرْ قَوْمَكَ يَأْخُذُوا

कर डी थी. फिर तुम उस को मजभूत पकड लो और अपनी कौम को डुकम डो के उस के अखे अडकामात

بِحَسَنِهَآ سَآوِرِيكُمْ دَارَ الْفٰسِقِينَ ﴿۱۵﴾ سَآصِرِفْ

पर अमल करे. अनकरीब मैं तुम्डे नाइरमानों का डर दिभाउंगा. मैं अनकरीब मेरी आयतों (के समजने)

عَنْ آيٰتِي الَّذِينَ يَتَكَبَّرُونَ فِي الْأَرْضِ بِغَيْرِ الْحَقِّ ۗ

से डटा हूंगा उन को जो जमीन में नाडक तकड्भुर करते हैं.

وَإِنْ يَرَوْا كَلَّآيَةً لَّا يُؤْمِنُآ بِهَا ۚ وَإِنْ يَرَوْا سَبِيلَ

और अगर वो तमाम मोअजिजात भी डेभ ले तभ भी वो इमान न लावे और अगर वो डिदायत के रास्ते

الرُّشْدِ لَّا يَتَّخِذُوهُ سَبِيلًا ۚ وَإِنْ يَرَوْا سَبِيلَ الْغَيِّ

को डेभें तो उस को रास्ता न बनावे. और अगर वो सरकशी के रास्ते को डेभें

يَتَّخِذُوهُ سَبِيلًا ۚ ذٰلِكَ بِآثَمِهِمْ كَذَّبُوا بِآيٰتِنَا وَكَانُوا

तो उसे रास्ता बना लें. ये इस वजड से के उन्डों ने डमारी आयतों को जूठलाया और वो

عَنهَا غٰفِلِينَ ﴿۱۶﴾ وَالَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيٰتِنَا وَلِقَآءِ

उस से गाइल थे. और वो लोग जिन्डों ने डमारी आयतों को जूठलाया और आभिरत के मिलने को

الْآخِرَةَ حِطَّتْ أَعْمَالُهُمْ ۖ هَلْ يُجْزَوْنَ إِلَّا

जुठलाया उन के आमासल उषत डो गअे. उन्हे सजल नडीं डी जलअेगी डगर

مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۗ وَاتَّخَذَ قَوْمُ مُوسَىٰ مِنْ بَعْدِهِ

उनडी कलडों की जे वो करते थे. और डूसल (अलैडलसललड) की कौड ने उन के जलने के डलड

مِنْ حُلِيِّهِمْ عِجْلًا جَسَدًا لَّهُ خُوَارٌ أَلَمْ يَرَوْا أَنَّهُ

अडने जेवरलत से डलडडे कल अेक जलसड डनललल जलस की डैल जैसी आवलज थी. कलल वो सडजते नडीं थे के

لَا يُكَلِّمُهُمْ وَلَا يَهْدِيهِمْ سَبِيلًا ۚ اتَّخَذُوا وَكَانُوا

वो उन से कललड नडीं कर सकतल और उन को रलसतल नडीं डलडल सकतल? उन्डों ने उस को डनल लललल डस

ظَلِيمِينَ ۗ وَلَمَّا سَقَطَ فِي أَيِّدِيهِمْ وَرَأَوْا أَنَّهُمْ

डलल डें के वो शलक कर रहे थे. और जब वो नलडलड डुवे और उन्डों ने सडजल के वो गुडरलड

قَدْ ضَلُّوا ۚ قَالُوا لَئِن لَّمْ يَرْحَمْنَا رَبُّنَا وَيَغْفِرْ لَنَا

डो गअे, तो उन्डों ने कडल के अडर डड डर डडलरल रड रडड नडीं करेगल और डडलरी डगकलरत नडीं करेगल

لَنَكُونَنَّ مِنَ الْخَاسِرِينَ ۗ وَلَمَّا رَجَعَ مُوسَىٰ

तो डड डडर डसलरल उडलने वलले डन जलअेंगे. और जब डूसल (अलैडलसललड) वलडस लौटे

إِلَىٰ قَوْمِهِ غَضْبَانَ آسِفًا ۚ قَالَ بِئْسَمَا خَلَفْتُمُونِي

अडनी कौड की तरक गुडसे डें अकसोस करते डुवे, डरडलने लगे के तुड ने डेरे डीडे डेरे जलने के डलड

مِنْ بَعْدِي ۚ أَعَجِلْتُمْ أَمْرَ رَبِّكُمْ ۗ وَاللَّيْلِ الْأَلْوَا ح

डुरी जलनशीनी की. तुड ने अडने रड के डुकड से जकडी कडूं की? और डूसल (अलैडलसललड) ने तडलतलडों को डलल

وَإِخَذَ بِرَأْسِ أَخِيهِ يَجُرُّهُ إِلَيْهِ ۗ قَالَ ابْنَ أُمَّ

और अडने डलड कल सर डकड, उस को अडनी तरक डीड रहते थे. डडन (अलैडलसललड) अकल करने लगे अे डेरी डलं

إِنَّ الْقَوْمَ اسْتَضَعَفُونِي ۖ وَكَادُوا يَقْتُلُونَنِي ۗ

के डेडे! डकीनन डस कौड ने डुजे कडओर सडजल और करीड थे के डुजे कतल कर डेते.

فَلَا تُشِيتْ بِبِ الْأَعْدَاءِ وَلَا تَجْعَلْنِي مَعَ الْقَوْمِ

डस ललले आड डुज डर डुशडनों को न डंसलडडे और डुजे डुशलरक कौड के सलथ

الظَّالِمِينَ ۗ قَالَ رَبِّ اغْفِرْ لِي وَلِإِخِي ۖ وَأَدْخِلْنَا

न कीजलडे. डूसल (अलैडलसललड) ने कडल अे डेरे रड! डेरी और डेरे डलड की डगकलरत डरडल और तू डडें

فِي رَحْمَتِكَ ۖ وَأَنْتَ أَرْحَمُ الرَّحِيمِينَ ﴿۱۵۱﴾ إِنَّ الَّذِينَ

अपनी रहमत में दाखिल कर दे. और तू अरुहमुराहिमीन है. यकीनन वो लोग

اتَّخَذُوا الْعِجْلَ سَيِّئًا لَّهُمْ غَضَبٌ مِّن رَّبِّهِمْ وَذِلَّةٌ

जिन्होंने ने बछड़े को बनाया था, अनकरीब उन्हें उन के रब की तरफ से गलब पड़ोयेगा और दुन्यवी

فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۖ وَكَذَلِكَ نَجْزِي الْمُفْتَرِينَ ﴿۱۵۲﴾

जिन्दगी में जिल्लत पड़ोयेगी. और इसी तरह हम जूठ घडने वालों को सजा देते हैं.

وَالَّذِينَ عَمِلُوا السَّيِّئَاتِ ثُمَّ تَابُوا مِن بَعْدِهَا وَأَمَنُوا ۖ

और वो लोग जिन्होंने ने बुरे काम किये, फिर उस के बाद तौबा की और ईमान लाये.

إِنَّ رَبَّكَ مِن بَعْدِهَا لَغَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۵۳﴾ وَلَمَّا سَكَتَ

यकीनन तेरा रब उस के बाद अलबत्ता बफ्शने वाला, निहायत रहम करने वाला है. और जब मूसा

عَنْ مُوسَى الْغَضَبُ أَخَذَ الْأَلْوَابِحَ ۖ وَفِي نُسخَتِهَا

(अलैहिस्सलाम) का गुस्सा ठंडा हो गया तो आप ने तपतियों को लिया. और उस के मजमून में

هُدًى وَرَحْمَةً لِّلَّذِينَ هُم لِرَبِّهِمْ يَرْهَبُونَ ﴿۱۵۴﴾

हिदायत और रहमत थी उन लोगों के लिये जो अपने रब से डरते हैं.

وَاخْتَارَ مُوسَى قَوْمَهُ سَبْعِينَ رَجُلًا رِّبِّيْقَاتِنَا ۖ

और मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपनी कौम के सत्तर आदमियों को हमारे वकते मुकर्ररा के लिये मुत्तअब किया.

فَلَمَّا أَخَذَتْهُمُ الرَّجْفَةُ قَالَ رَبِّ لَوْ شِئْتَ

फिर जब उन को जलजले ने पकड लिया, तो मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अर्ज किया के ओ मेरे रब! अगर तू याडता

أَهْلَكَتَهُمْ مِّن قَبْلُ وَإِيَّايَ أَتُهْلِكُنَا بِمَا فَعَلَ

तो ईन्हे भी डलाक करता इस से पेडले ओर मुझे भी. क्या तू हमे डलाक करता है उस डरकत की वजह से जो हम

السُّفَهَاءِ مِنَّا ۚ إِنَّ هِيَ إِلَّا فِتْنَتُكَ ۖ تُضِلُّ بِهَا مَن

में से भेवकूहों ने की है? ये तो सिई तेरा ईम्तिडान है. इस के जरिये तू गुमराड करता है

تَشَاءُ وَتَهْدِي مَن تَشَاءُ ۖ أَنْتَ وَلِيُّنَا فَاغْفِرْ لَنَا

जिसे याडता है और हिदायत देता है जिसे याडता है. तू हमारा करसाज है, तू हमारी मगफिरत कर दे

وَارْحَمْنَا وَأَنْتَ خَيْرُ الْغَافِرِينَ ﴿۱۵۵﴾ وَكَتُبْنَا لَنَا

और हम पर रहम इरमा, तू बेडतरीन मगफिरत करने वाला है. और हमारे लिये

فِي هَذِهِ الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ إِنَّا هُدْنَا

ईस दुनिया में भलाई लिख दे और आभिरत में भी, यकीनन हम ने

إِلَيْكَ ۖ قَالَ عَذَابِي أُصِيبُ بِهِ مَنْ أَشَاءُ ۗ

आप की तरफ़ रुजूअ किया. अल्लाह ने इरमाया के अपना अजाब में उसे पछोथाउंगा जिसे मैं थाडुंगा.

وَرَحْمَتِي وَسِعَتْ كُلَّ شَيْءٍ ۗ فَسَاكْتُبُهَا لِلَّذِينَ

और मेरी रहमत हर चीज़ पर वसीअ है. अनकरीब में उसे लिभुंगा उन लोगों के लिये

يَتَّقُونَ وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَالَّذِينَ هُمْ بِآيَاتِنَا

जो डरते हैं और जकात देते हैं और जो हमारी आयतों पर ईमान

يُؤْمِنُونَ ﴿۱۵۱﴾ الَّذِينَ يَتَّبِعُونَ الرَّسُولَ النَّبِيَّ

रभते हैं. वो लोग जो ईस रसूले नभीअे उम्मी (सदलदलाहु अलयहि व सदलम) का ईत्तिबा करते

الرَّحْمَى الَّذِي يَجِدُونَهُ مَكْتُوبًا عِنْدَهُمْ

हैं जिसे वो अपने पास तौरात और ई-जुल में लिखा हुवा

فِي التَّوْرَةِ وَالْإِنْجِيلِ ۚ يَأْمُرُهُمْ بِالْمَعْرُوفِ وَيَنْهَاهُمْ

पाते हैं, जो उन्हें नेक कामों का हुकम देते हैं और उन्हें भुरे कामों से

عَنِ الْمُنْكَرِ وَيُحِلُّ لَهُمُ الطَّيِّبَاتِ وَ يُحَرِّمُ عَلَيْهِمْ

रोकते हैं और उन के लिये पाकीजा चीज़ें उलाल करते हैं और उन के लिये भुरी चीज़ें

الْخَبِيثَاتِ وَيَضَعُ عَنْهُمْ إِصْرَهُمْ وَالْأَغْلَالَ الَّتِي كَانَتْ

उराम करते हैं और उन से उन के भारी बोज को उटाते हैं (जो उन पर लादे गअे थे) और वो तौक जो उन

عَلَيْهِمْ ۖ فَالَّذِينَ آمَنُوا بِهِ وَ عَزَّرُوهُ وَ نَصَرُوهُ

के उपर थे. फिर वो लोग जो नभीअे उम्मी (सदलदलाहु अलयहि व सदलम) पर ईमान लाअे और जिन्डो ने उन

وَاتَّبَعُوا النُّورَ الَّذِي أُنزِلَ مَعَهُ ۗ أُولَٰئِكَ هُم

की डिमायत की और उन की नुर्रत की और उस नूर के पीछे यले जो उन के साथ उतारा गया, यही लोग इलाह

الْمُفْلِحُونَ ﴿۱۵۲﴾ قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ

पाने वाले हैं. आप इरमा दीजिये अे ई-सानो! यकीनन में तुम सब की तरफ़

إِلَيْكُمْ جَمِيعًا ۖ الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمٰوٰتِ وَالْأَرْضِ

अल्लाह का भेजा हुवा पैगम्बर हूँ, उस अल्लाह का जिस के लिये आस्मानों और जमीन की सल्तनत है.

لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ يُحْيِي وَ يُمِيتُ ۖ فَآمِنُوا بِاللَّهِ

जिस के सिवा कोई माबूद नहीं, वही जिन्दगी और मौत देता है. फिर तुम ईमान लाओ अल्लाह पर

وَ رَسُولِهِ النَّبِيِّ الْأُمِّيِّ الَّذِي يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَكَلِمَتِهِ

और उस के रसूले नबीअे उम्मी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लाम) पर जो ईमान रખते हैं अल्लाह पर और

وَ اتَّبِعُوا لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ ﴿١٥٦﴾ وَ مِنْ قَوْمِ مُوسَى

उस के कलिमात पर और तुम उसी का इत्तिबा करो ताके तुम छिदायत पाओ. और मूसा (अलैहिस्सलाम) की क्रौम में

أُمَّةٌ يَهْتَدُونَ بِالْحَقِّ وَبِهِ يَعْدِلُونَ ﴿١٥٧﴾ وَقَطَّعَتْهُمْ

से अेक जमाअत थी जो उक की रहुनुमाई करती थी और उसी के साथ ई-साइ करती थी. और उम

اِثْنَتَيْ عَشْرَةَ أَسْبَاطًا أُمَمًا ۖ وَأَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ

ने उन को बारा कबीले बनाया था. और उम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) की तरइ वही

إِذِ اسْتَسْقَاهُ قَوْمُهُ أَنْ اَضْرِبْ بِعَصَاكَ الْحَجَرَ ۗ

की जब के मूसा (अलैहिस्सलाम) से उन की क्रौम ने पानी मांगा, (वही की) के आप अपना असा पथ्थर पर

فَأَنْبَجَسَتْ مِنْهُ اثْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا ۖ قَدْ عَلِمَ

मारिये. फिर उस में से बारा यश्मे इट पडे. यकीनन सब लोगों ने

كُلُّ أَنْاسٍ مَشْرَبُهُمْ ۖ وَظَلَّلْنَا عَلَيْهِمُ الْغَمَامَ

अपने पीने की जगा को मालूम कर लिया. और उम ने उन पर बादलों का साया किया

وَ أَنْزَلْنَا عَلَيْهِمُ الْمَنَّٰنَ وَ السَّلْوَٰى ۖ كُفُوا مِنْ طِيبَتِ

और उम ने उन पर मन्न और सल्वा उतारा. के तुम भाओ उन उमदा यीजों में से जो उम ने

مَا رَزَقْنَاكُمْ ۖ وَ مَا ظَلَمُونَا وَ لَكِنْ كَانُوا أَنْفُسَهُمْ

तुम्हें रोजी के तौर पर दीं. और उन्हों ने उम पर जुल्म नहीं किया, लेकिन वो भुद अपनी जानों पर

يَظْلِمُونَ ﴿١٥٨﴾ وَ إِذْ قِيلَ لَهُمْ اسْكُنُوا هَذِهِ الْقَرْيَةَ

जुल्म करते थे. और जब उन से कडा गया के रडो ईस बस्ती में और

وَ كُفُوا مِنْهَا حَيْثُ شِئْتُمْ ۖ وَقُولُوا حِطَّةٌ وَ ادْخُلُوا الْبَابَ

उस में से भाओ जहां तुम याडो और तुम कडो और तुम दरवाजे से सजदा करते हुवे

سُجَّدًا تَعْفِرُ لَكُمْ حَطِيئَتَكُمْ ۖ سَنَزِيدُ الْمُحْسِنِينَ ﴿١٥٩﴾

दाभिल डो जाओ, उम तुम्हारे लिये तुम्हारी ખताअे बफ्श देगे. अनकरीब उम नेकी करने वालों को मज्जिद देगे.

فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ قَوْلًا غَيْرَ الَّذِي قِيلَ

झिरे उन में से आदिमों ने बात को बदल दिया उस के अलावा से जो उन से कही गई थी,

لَهُمْ فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِجْزًا مِّنَ السَّمَاءِ بِمَا كَانُوا

ईस लिये हम ने उन पर आस्मान से अजाब भेजा ईस वजह से के

يُظْلِمُونَ ﴿١٣٦﴾ وَسَأَلَهُمْ عَنِ الْقَرْيَةِ الَّتِي كَانَتْ

वो आदिम थे. और आप उन से सवाल कीजिये उस बस्ती के मुताबिक जो समन्दर

حَاضِرَةً الْبَحْرِ إِذْ يَعْدُونَ فِي السَّبْتِ

के किनारे पर थी. जब वो सनीयर के बारे में जयाहती करते थे

إِذْ تَأْتِيهِمْ حَيَاتُهُمْ يَوْمَ سَبْتِهِمْ شُرَعًا وَيَوْمَ

ईस लिये के उन के पास उन की मछलियां आती थीं सनीयर के दिन पानी पर तैरती हुई और जिस दिन

لَا يَسْبِتُونَ ۚ لَا تَأْتِيهِمْ ۚ كَذَلِكَ ۚ نَبُؤُهُمْ

सनीयर नहीं होता था, तो मछलियां उन के पास नहीं आती थीं. इसी तरह हम उन को आजाते थे

بِمَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿١٣٧﴾ وَإِذْ قَالَتْ أُمَّةٌ مِّنْهُمْ

ईस वजह से के वो झसिक थे. और जब उन में से अक जमाअत ने कहा के तुम कयूं

لِمَ تَعْظُونَ قَوْمًا ۚ إِيَّاكُمْ مَهْلِكُهُمْ أَوْ مُعَذِّبُهُمْ

नसीहत करते हो ऐसी कौम को जिन को अल्लाह उलाक करने वाले हैं या उन को सप्त अजाब देने वाले हैं?

عَذَابًا شَدِيدًا ۚ قَالُوا مَعذِرَةٌ إِلَىٰ رَبِّكُمْ ۚ وَعَلَّاهُمْ

उन्हों ने कहा के (हम नसीहत करते हैं) तुम्हारे रब की तरफ उजर पेश करने के लिये और ईस लिये के

يَتَّقُونَ ﴿١٣٨﴾ فَلَمَّا نَسُوا مَا ذُكِّرُوا بِهِ ۚ أَنجَيْنَا الَّذِينَ

शायद वो डरे झिरे जब उन्हों ने भुला दिया उस को जिस के जरिये उन को नसीहत की गई थी तो हम ने नजात दी

يَنَّهُونَ عَنِ السُّوءِ ۚ وَأَخَذْنَا الَّذِينَ ظَلَمُوا

उन को जो भुराई से रोकते थे और हम ने पकड लिया उन को जो आदिम थे

بِعَذَابٍ بَّيِّنٍ ۚ بِمَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿١٣٩﴾

सप्त अजाब में ईस वजह से के वो नाइरमान थे.

فَلَمَّا عَتَوْا عَن مَّا نُهَوْا عَنْهُ ۚ قُلْنَا لَهُمْ كُونُوا قِرَدَةً

झिरे जब उन्हों ने सरकरशी की उस से जिस से उन्हे मना किया गया था, तो हम ने उन से कहा के तुम जलील

خُسَيْنٍ ﴿۱۶۱﴾ وَإِذْ تَأَذَّنَ رَبُّكَ لِيُبْعَثَنَّ عَلَيْهِمْ

बन्दर बन जाओ. और जब आप के रब ने अैलान किया के वो उन पर क्यामत के

إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ مَنْ يَسُومُهُمْ سُوءَ الْعَذَابِ ۗ

दिन तक जरूर भेजता रहेगा जैसे शप्स को जो उन्हें बदतरनीन सजा से तकलीफ दे.

إِنَّ رَبَّكَ لَسَرِيعُ الْعِقَابِ ۗ وَإِنَّهُ لَغَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۱۶۲﴾

यकीनन तेरा रब अलबत्ता जल्द सजा देने वाला है. और यकीनन वो बपशने वाला, निहायत रडम वाला है.

وَقَطَّعْنَهُمْ فِي الْأَرْضِ أُمَّمًا مِّنْهُمْ الصَّالِحُونَ

और उम ने उन्हें जमीन में अलग अलग उम्मतों बनाया. उन में से कुछ नेक हैं और

وَمِنْهُمْ دُونَ ذَلِكَ وَبَلَّوْنَهُمْ بِالْحَسَنَاتِ وَالسَّيِّئَاتِ

उन में से कुछ उस से कमतर हैं. और उम ने उन्हें आजमाया नेअमतों और निकमतों (अजाब) के

لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿۱۶۳﴾ فَخَلَفَ مِنْ بَعْدِهِمْ خَلْفٌ

उरिये शायद वो बाज आये. फिर उन के बाद नापलइ आये

وَرِثُوا الْكِتَابَ يَأْخُذُونَ عَرَضَ هَذَا الْأَدْنَىٰ

जो किताब के वारिस हुवे जो इस जलील दुन्या का सामान लेते थे और केडते थे

وَيَقُولُونَ سَيُغْفَرُ لَنَا وَإِن يَأْتِهِمْ عَرَضٌ مِّثْلُهُ

के अनकरीब उमारी तो मगफिरत हो जाओगी. और अगर उन के पास उसी जैसा सामान आता

يَأْخُذُوهُ ۗ أَلَمْ يُؤْخَذْ عَلَيْهِمْ مِيثَاقُ الْكِتَابِ

तो उस को ली ले लेते. क्या उन से किताब में अहद नहीं लिया गया था

أَنْ لَّا يَقُولُوا عَلَى اللَّهِ إِلَّا الْحَقَّ وَدَرَسُوا مَا فِيهِ ۗ

के वो अल्लाह पर सिवाये उक के नहीं कहेंगे और उन्होंने ने पण्ड लिया था उसे जो उस किताब में है.

وَالدَّارُ الْآخِرَةُ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ لِلَّذِينَ يَتَّقُونَ ۗ

और आभिरत वाला घर बेडतर है उन के लिये जो मुत्तकी हैं.

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۱۶۴﴾ وَالَّذِينَ يُمَسِّكُونَ بِالْكِتَابِ وَأَقَامُوا

क्या फिर तुम अकल नहीं रभते? और वो लोग जो किताब को मजबूती से पकडते हैं और नमाज काईम

الصَّلَاةَ ۗ إِنَّا لَنُضِيعُ أَجْرَ الْمُصْلِحِينَ ﴿۱۶۵﴾ وَإِذْ

करते हैं, यकीनन उम ईस्लाह करने वालों का अजर जायेअ नहीं करेंगे. और जब

تَتَّقْنَا الْجَبَلَ فَوْقَهُمْ كَأَنَّهُ ظُلَّةٌ وَظَنُّوا أَنَّهُ

उम ने उन के उपर पहाड को उठाया गोया के वो सायेबान है और उन्हों ने समजा के वो

وَاقِعٌ بِهِمْ ۚ خُذُوا مَا آتَيْنَكُم بِقُوَّةٍ وَّادْكُرُوا

उन पर गिरने वाला है. (कडा के) मजबूती से पकडो उसे जो उम ने तुम्हें दिया है और याद करो

مَا فِيهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿١٤١﴾ وَإِذْ أَخَذَ رَبُّكَ

उस को जो उस में है ताके तुम मुत्तकी बनो. और जब के तुम्हारे रब ने

مِنْ بَنِي آدَمَ مِنْ ظُهُورِهِمْ ذُرِّيَّتَهُمْ وَأَشْهَدَهُمْ

बनू आदम की जुररीयत को उन की पुशतों से निकाल कर अडह लिया और उन्हें अपनी जानों

عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ ۚ أَلَسْتُ بِرَبِّكُمْ ۗ قَالُوا بَلَىٰ ۗ شَهِدْنَا ۗ

के भिलाफ़ गवाड बनाया के क्या मैं तुम्हारा रब नहीं हूँ? उन्हों ने कडा कयूं नहीं! उम गवाडी देते हैं.

أَنْ تَقُولُوا يَوْمَ الْقِيَامَةِ إِنَّا كُنَّا عَنْ هَذَا غٰفِلِينَ ﴿١٤٢﴾

(ये धस लिये किया) के कहीं तुम क्यामत के दिन यूं कडो के उम तो धस से बजबर (गाडिल) थे.

أَوْ تَقُولُوا إِنَّمَا أَشْرَكَ آبَاؤُنَا مِنْ قَبْلُ وَكُنَّا

या तुम कहीं यूं कडो के उमारे बाप दादा ने धस से पेडले शिक्र किया था और उम तो

ذُرِّيَّةً مِّنْ بَعْدِهِمْ ۗ أَفَتُهْلِكُنَا بِمَا فَعَلَ

उन के बाद आने वाली औलाद थे. क्या फिर आप उमें उलाक करते हैं उस डरकत की वजह से जो

الْبٰطِلُونَ ﴿١٤٣﴾ وَكَذٰلِكَ نَفْصَلُ الْآيٰتِ وَلَعَلَّهُمْ

भातिलपरस्तों ने की? और धसी तरड आयात को उम तफ़सील से भयान करते हैं शायद के वो

يَرْجِعُونَ ﴿١٤٤﴾ وَاسْأَلْ عَلَيْهِمْ نَبَأَ الَّذِي آتَيْنَاهُ

भाज आये. और आप उन के सामने उस शम्स का किरसा तिलावत कीजिये जिसे उम ने अपनी आयतों

الْاِيتِنَا فَاَنْسَلَخْ مِنْهَا فَاتَّبَعَهُ الشَّيْطٰنُ فَكَانَ

ही थी, फिर वो उन से सालिम निकल गया और शयतान उस के पीछे पडा, फिर वो गुमराडों

مِنَ الْغٰوِيْنَ ﴿١٤٥﴾ وَلَوْ شِئْنَا لَرَفَعْنَاهُ بِهَا وَلٰكِنَّ

में से डो गया. और अगर उम याडते तो उसे उन आयात की वजह से उपर उठाते, लेकिन वो

اَخْلَدَ اِلَى الْاَرْضِ وَاتَّبَعَ هَوٰهُ ۗ فَبَسَّاهُ كَمَا

उमेशा नीचे जमीन की तरफ़ गया और अपनी ज्वाडिश के पीछे चलता रडा. तो उस का डाल कुत्ते

الْكَلْبِ ۚ إِنَّ تَحْمِلَ عَلَيْهِ يَلْهَثُ أَوْ تَتْرُكُهُ

के डाल की तरफ है के अगर तुम उस पर भोज लादो तब भी डांपेगा या उस को छोड दो तब भी वो

يَلْهَثُ ۚ ذَلِكَ مَثَلُ الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۚ

डांपेगा. ये उस कौम का डाल है जिन्हों ने उमारी आयतों को जूठलाया.

فَأَقْصَصَ الْقَصَصَ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكَّرُونَ ﴿۱۴۳﴾ سَاءَ

तो आप ये किस्से बयान कीजिये ताके वो सोयें. बुरी

مَثَلًا ۚ الْقَوْمُ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَأَنْفُسُهُمْ

मिसाल है उस कौम की जिस ने उमारी आयतों को जूठलाया और जो अपनी

كَانُوا يَظْلِمُونَ ﴿۱۴۴﴾ مَنْ يَهْدِ اللَّهُ فَهُوَ الْمُهْتَدِىٰ ۚ

जानों पर जुल्म करते थे. जिस को अल्लाह डिहायत दे वो डिहायतयाइता है.

وَمَنْ يَضِلَّ فَأُولَئِكَ هُمُ الْخٰسِرُونَ ﴿۱۴۵﴾ وَلَقَدْ

और जिस को अल्लाह गुमराह कर दे तो वही लोग भसारा उठाने वाले हैं. और यकीनन

ذَرَأْنَا لِجَهَنَّمَ كَثِيرًا مِّنَ الْجِنِّ وَالْإِنْسِ ۗ

डम ने जहन्नम के लिये बडोत से जिन्नात और इन्सानों को पैदा किया.

لَهُمْ قُلُوبٌ لَّا يَفْقَهُونَ بِهَا ۚ وَلَهُمْ أَعْيُنٌ

उन के पास हिल हैं जिस से वो समजते नहीं. और उन के पास आंभें तो हैं

لَّا يُبْصِرُونَ بِهَا ۚ وَلَهُمْ آذَانٌ لَّا يَسْمَعُونَ بِهَا ۗ

(लेकिन) उन से वो देखते नहीं. और उन के पास कान तो हैं (लेकिन) उन से वो सुनते नहीं.

أُولَئِكَ كَالْأَنْعَامِ بَلَّ هُمْ أَضَلُّ ۚ أُولَئِكَ هُمُ

ये यौपाओं की तरफ हैं, बल्के उन से भी जयादा गुमराह हैं. यही लोग गाइल

الْغٰفِلُونَ ﴿۱۴۶﴾ وَ لِلَّهِ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَىٰ فَادْعُوهُ

हैं. और अल्लाह के लिये अच्छे अच्छे नाम हैं, तो अल्लाह को उन नामों के जरिये

بِهَاسٍ ۚ وَ ذَرُوا الَّذِينَ يُلْحِدُونَ فِيٓ أَسْبَابِهِ ۗ

पुकारो. और छोड दो उन लोगों को जो अल्लाह के नामों में टेण्डा रास्ता इफ्तियार करते हैं.

سَيُجْزَوْنَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۴۷﴾ وَمِمَّنْ خَلَقْنَا

अनकरीब उनहें सजा दी जायेगी उस डरकत की जो वो कर रहे हैं. और उमारी मफ्लूक में से

أُمَّةٌ يَهْدُونَ بِالْحَقِّ وَبِهِ يَعْدِلُونَ ﴿۸۳﴾

ओक जमाअत है जो उक की रहनुमाई करती है और उसी के जरिये ई-साइ करती है.

وَالَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا سَنَسْتَدْرِجُهُمْ

और वो लोग जिन्हों ने हमारी आयतों को जूठलाया अनकरीब हम उन्हें आखिस्ता आखिस्ता पकड़ेंगे

مِّنْ حَيْثُ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۸۴﴾ وَأُمْلِي لَهُمْ ۖ إِنَّ كَيْدِي

ईस तरीके से के उन्हें पता न यले. और मैं उन को मोडलत हूंगा. यकीनन मेरी तदबीर

مَتَيْنٌ ﴿۸۵﴾ أَوْلَمْ يَتَفَكَّرُوا ۗ مَا بِصَاحِبِهِمْ

मजबूत है. क्या उन्होंने ने सोचा नहीं के उन के नबी को जूनून

مِّنْ جِنَّةٍ ۗ إِنْ هُوَ إِلَّا نَذِيرٌ مُّبِينٌ ﴿۸۶﴾ أَوْلَمْ يَنْظُرُوا

नहीं है? ये तो साइ साइ डराने वाले हैं. क्या उन्होंने ने देखा नहीं

فِي مَلَكَوَاتِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا خَلَقَ اللَّهُ

आस्मानों और जमीन की सल्तनत में और उन चीजों में जो अल्लाह ने पैदा की,

مِنْ شَيْءٍ ۗ وَإِنْ عَسَىٰ أَنْ يَكُونَ قَدِ اقْتَرَبَ إِلَيْهِمْ ۗ

और (न देखा) ये के हो सकता है के उन की आबिरी मुदत करीब आ चुकी हो.

فَبِأَيِّ حَدِيثٍ بَعْدَ يُؤْمِنُونَ ﴿۸۷﴾ مَنْ يُضِلِلْ

किर उस के बाद किस चीज पर वो ईमान लायेंगे? जिस को अल्लाह गुमराह

اللَّهُ فَلَا هَادِيَ لَهُ ۗ وَيَذَرُهُمْ فِي طُغْيَانِهِمْ

कर दे उसे कोई छिदायत देने वाला नहीं. और अल्लाह उन्हें उन की सरकशी में सरगरदां

يَعْمَهُونَ ﴿۸۸﴾ يَسْأَلُونَكَ عَنِ السَّاعَةِ أَيَّانَ

छोड देते हैं. वो आप से सवाल करते हैं क्यामत के मुतअद्लिक के उस के वाकेअ होने का वकत

مُرْسَمَاتٍ ۚ قُلْ إِنَّمَا عِلْمُهَا عِنْدَ رَبِّي ۗ لَا يُجَلِّيهَا

कब है? आप इरमा दीजिये के उस का ईल्म तो सिई मेरे रब के पास है. उसे उस के वकत पर

لَوْ قَتَلْتَهَا ۗ إِلَّا هُوَ ۗ تَقُلَّتْ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۗ

आखिर नहीं करेगा मगर वही. क्यामत बदी हमारी चीज है आस्मानों और जमीन में. वो तुम्हारे

لَا تَأْتِيكُمْ إِلَّا بَعَثَةٌ ۗ يَسْأَلُونَكَ كَأَنَّكَ حَفِيٌّ عَنْهَا ۗ

पास नहीं आयेगी मगर अथानक. वो आप से सवाल करते हैं गोया आप क्यामत के बारे में जानते हैं.

قُلْ إِنَّمَا عِلْمُهَا عِنْدَ اللَّهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ

आप इरमा दीजिये के उस का एल्म तो सिर्फ अल्लाह के पास है, लेकिन लोगों में से अकसर जानते नहीं।

لَا يَعْلَمُونَ ﴿١٨٠﴾ قُلْ لَّا أَمْلِكُ لِنَفْسِي نَفْعًا وَلَا ضَرًّا

आप इरमा दीजिये के मैं अपनी जान के लिये नफा और जरर का मालिक नहीं हूँ

إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ ۗ وَلَوْ كُنْتَ أَعْلَمُ الْغَيْبِ لَاسْتَكْتَرْتُ

मगर वही जो अल्लाह याहे. और अगर मैं गैब जानता होता तो मैं धैर जयादा

مِنَ الْخَيْرِ ۗ وَمَا مَسَّنِيَ السُّوءُ ۗ إِنْ أَنَا إِلَّا نَذِيرٌ

तलब कर लेता और मुझे कोई तकलीफ न पडोयती. मैं तो सिर्फ डराने वाला और भशारत

وَبَشِيرٌ لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿١٨١﴾ هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ

हने वाला हूँ ऐसी कौम के लिये जो एमान लाती है. वही अल्लाह है जिस ने तुम्हें पैदा किया है अक

مِّن نَّفْسٍ وَاحِدَةٍ وَجَعَلَ مِنْهَا زَوْجَهَا لِيَسْكُنَ

जान से (आदम अलैहिस्सलाम से) और उसी से उन की भीवी को बनाया ताके वो उन की तरफ सुकून हासिल

إِلَيْهَا ۗ فَلَمَّا تَغَشَّهَا حَمَلٌ خَفِيًّا فَهَرَّتْ

करे. फिर जब (आदम अलैहिस्सलाम) ने उन से सोडभत की तो वो हाभिला हो गयी उल्के उमल से, फिर वो उस को ले

بِهِ ۗ فَلَمَّا أَتَقَلَّتْ دَعَا اللَّهَ رَبَّهُمَا لَئِن آتَيْتَنَا

कर यलती रही. फिर जब वो भोजल हुयी तो दोनों ने अल्लाह से, अपने रभ से, हुआ की के अगर तू हमें नेक

صَالِحًا لَنَكُونَنَّ مِنَ الشَّاكِرِينَ ﴿١٨٢﴾ فَلَمَّا آتَاهُمَا

औलाह देगा तो हम शुक्र अदा करने वालों में से बन जायेंगे. फिर जब अल्लाह ने उनसे सालेह औलाह दी

صَالِحًا جَعَلَا لَهُ شُرَكَاءَ فِيمَا آتَاهُمَا ۗ فَتَعَالَى

तो वो अल्लाह के लिये शरीक ठेहराने लगे उस में जो अल्लाह ने उनसे दिया. तो अल्लाह भरतर है उन

اللَّهُ عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿١٨٣﴾ أَيُشْرِكُونَ مَا لَا يَخْلُقُ

थीजों से जिस को वो शरीक ठेहरा रहे हैं. क्या वो शरीक ठेहराते हैं उन थीजों को जो कुछ भी पैदा नहीं

شَيْئًا وَهُمْ يُخْلِقُونَ ﴿١٨٤﴾ وَلَا يَسْتَطِيعُونَ لَهُمْ نَصْرًا

कर सकती, बल्के वो भुद ही मज्लूक हैं. और वो उन की मदद की ताकत नहीं रखते

وَلَا أَنفُسَهُمْ يَنْصُرُونَ ﴿١٨٥﴾ وَإِنْ تَدْعُوهُمْ إِلَىٰ

बल्के वो भुद अपनी मदद भी नहीं कर सकते. और अगर आप उन्हें बुलायें डिहायत की

الْهُدَى لَا يَتَّبِعُكُمْ ۖ سَوَاءٌ عَلَيْكُمْ أَدَعَوْتُمُوهُمْ

तरफ़ तो वो आप के पीछे नहीं चलेंगे. तुम पर बराबर है याहे तुम उन को पुकारो

أَمْ أَنْتُمْ صَامِتُونَ ﴿۹۷﴾ إِنَّ الَّذِينَ تَدْعُونَ مِنْ دُونِ

या तुम चुप रहो. यकीनन जिन को तुम पुकारते हो अल्लाह के

اللَّهِ عِبَادٌ أَمْثَالِكُمْ فَاذْعُوهُمْ فَلْيَسْتَجِيبُوا لَكُمْ

अलावा वो तुम्हारे जैसे बन्दे हैं, फिर तुम उन्हें पुकारो, तो उन्हें यादिये के वो तुम्हें जवाब दें

إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۹۸﴾ أَلَمْ يَأْتِ الْبَشَرُ

अगर तुम सच्ये हो. क्या उन के पैर हैं जिन से वो चलते हैं?

بِهَآءِ أَمْ لَهُمْ أَيْدٍ يَبِطْشُونَ بِهَآءِ أَمْ لَهُمْ

या उन के हाथ हैं जिन से वो पकड़ते हैं? या उन की आंभें हैं जिन से

يُبْصِرُونَ بِهَآءِ أَمْ لَهُمْ آذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَآءِ قُلْ

वो देखते हैं? या उन के कान हैं जिन से वो सुन सकते हैं? आप इरमा दीजिये के

أَدْعُوا شُرَكَاءَكُمْ ثُمَّ كِيدُونِ فَلَا تُنظِرُونَ ﴿۹۹﴾

तुम अपने शूरका को पुकारो, फिर तुम मेरे खिलाफ़ मकर करो, फिर मुझे मोडलत भी मत दो.

إِنَّ وَلِيََّ اللَّهُ الَّذِي نَزَّلَ الْكِتَابَ ۖ وَهُوَ يَتَوَلَّى

यकीनन मेरा कारसाज वो अल्लाह है जिस ने ये किताब उतारी. और वो नेक लोगों का

الصَّالِحِينَ ﴿۱۰۰﴾ وَالَّذِينَ تَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ

वाली है. और जिन को तुम अल्लाह के अलावा पुकारते हो

لَا يَسْتَجِيبُونَ نَصْرَكُمْ وَلَا أَنفُسَهُمْ يَصْرِوْنَ ﴿۱۰۱﴾

वो तुम्हारी नुस्रत की ताकत नहीं रखते और न ही वो अपने आप की मदद कर सकते हैं.

وَإِنْ تَدْعُوهُمْ إِلَى الْهُدَى لَا يَسْمَعُوا وَتَرَاهُمْ

और अगर आप उन्हें भुलायेँ दिहायत की तरफ़ तो वो सुनते भी नहीं. और आप उन्हें देखोगे

يَنْظُرُونَ إِلَيْكَ وَهُمْ لَا يُبْصِرُونَ ﴿۱۰۲﴾ خُذِ الْعَفْوَ

के वो आप की तरफ़ देख रहे हैं हालांकि वो देख नहीं पाते. आप माझी को लीजिये

وَأْمُرْ بِالْعُرْفِ وَأَعْرِضْ عَنِ الْجَاهِلِينَ ﴿۱۰۳﴾ وَإِمَّا

और नेकी का हुकम दीजिये और जाहिलों से औराज कीजिये. और अगर

يَنْزَعَنَّكَ مِنَ الشَّيْطَانِ نَزْعٌ فَاسْتَعِذْ بِاللَّهِ ۖ إِنَّهُ

आप को शयतान की तरफ़ से कोई वसवसा आये तो अल्लाह की पनाह तलाश कीजिये. यकीनन वो

سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ إِنَّ الَّذِينَ اتَّقَوْا إِذَا مَسَّهُمْ طَافٌ

सुनने वाला, ईल्म वाला है. यकीनन वो जो मुत्तकी हैं जब उन्हें शयतान की तरफ़ से कोई

مِّنَ الشَّيْطَانِ تَذَكَّرُوا فَإِذَا هُمْ مُبْصِرُونَ ۝

वसवसा पड़ोयता है, तो वो जिक्र (याद) में लग जाते हैं, फिर उसी वक़्त उन्हें बसीरत मिल जाती है.

وَإِخْوَانُهُمْ يَبُدُّوهُمْ فِي الْغَيِّ ثُمَّ لَا يُقْصِرُونَ ۝

और उन के भाई उन्हें भीय रहे हैं सरकशी में, फिर वो कोताही नहीं करते. और जब

وَإِذَا لَمْ تَأْتِهِمْ بِآيَةٍ قَالُوا لَوْلَا اجْتَبَيْتَهَا ۖ

उन के पास आप कोई मोअजिजा नहीं लाते तो केहते हैं के तुम कोई मोअजिजा युन कर क्यूं नहीं लाये?

قُلْ إِنَّمَا اتَّبَعُ مَا يُوْحَىٰ إِلَيَّ مِنْ رَبِّي ۗ هَذَا

आप इरमा दीजिये के मैं तो सिर्फ़ उस के पीछे चलता हूँ जो मेरी तरफ़ मेरे रब की तरफ़ से वही की जाती है.

بَصَائِرُ مِنْ رَبِّكُمْ وَهُدًى وَرَحْمَةٌ لِّقَوْمٍ

ये तुम्हारे रब की तरफ़ से बसीरतें हैं और खिदायत और रहमत है ऐसी कौम के लिये

يُؤْمِنُونَ ۝ وَإِذَا قُرِئَ الْقُرْآنُ فَاسْتَمِعُوا لَهُ

जो ईमान लाती है. और जब कुर्आन पण्डा जाये तो सब उस की तरफ़ कान लगाओ

وَأَنْصِتُوا لِعَلَّكُمْ تَرْحَمُونَ ۝ وَادْكُرْ رَبَّكَ

और ञामोशी ईप्तियार करो ताके तुम पर रहम किया जाये. और आप अपने रब को याद कीजिये

فِي نَفْسِكَ تَضَرُّعًا وَخِيفَةً وَدُونَ الْجَهْرِ مِنَ الْقَوْلِ

अपने हिल में आजिजी के साथ और डरते डरते और आवाज बुलन्द किये बगैर

بِالْعُدُوِّ وَالْأَصَالِ وَلَا تَكُنْ مِنَ الْغَافِلِينَ ۝

सुब्ह व शाम और आप गाइलों में से न बनें.

إِنَّ الَّذِينَ عِنْدَ رَبِّكَ لَا يَسْتَكْبِرُونَ

यकीनन वो इरिशते जो तेरे रब के पास हैं वो अल्लाह की ईबाहत से तकब्बुर नहीं करते,

عَنْ عِبَادَتِهِ وَ يُسَبِّحُونَهُ وَلَهُ يَسْجُدُونَ ۝

बल्के वो उस की तस्बीह करते हैं और उसी को सजदा करते हैं.

کُرُوعَاتُهَا ۱۰	(۸) سُورَةُ الْأَنْفَالِ مَدَنِيَّةٌ (۸۸)	آيَاتُهَا ۷۵
और १० रुकूअ हैं	सूरअे अ-झल मदीना में नाजिल हुई	ईस में ७५ आयतें हैं
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पणउता हूं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है		
يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْأَنْفَالِ ۗ قُلِ الْأَنْفَالُ لِلَّهِ وَالرَّسُولِ ये आप से सवाल करते हैं अमवाले गनीमत के मुतअद्लिक. आप इरमा हीजिये के अमवाले गनीमत अल्लाह और		
فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاصْلِحُوا ذَاتَ بَيْنِكُمْ ۖ وَأَطِيعُوا اللَّهَ रसूल के लिये हैं. तो अल्लाह से डरो और आपस के तअल्लुकत उस्तुवार कर लो. और धताअत करो अल्लाह की		
وَرَسُولَهُ ۚ إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ۝ إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ और उस के रसूल की अगर तुम धमान वाले हो. धमान वाले सिई वही		
الَّذِينَ إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ وَجِلَّتْ قُلُوبُهُمْ وَإِذَا تَلَيَّتْ हैं के जब अल्लाह को याद किया जाअे तो उन के दिल छिल जाते हैं और जब उन पर अल्लाह की आयतें		
عَلَيْهِمْ آيَاتُهُ زَادَتْهُمْ إِيمَانًا وَعَلَىٰ رَبِّهِمْ तिलावत की जाती हैं तो ये आयतें उन का धमान बणडा देती हैं और वो अपने रब पर तवक्कुल		
يَتَوَكَّلُونَ ۚ الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ करते हैं. जो नमाज काईम करते हैं और उन चीजों में से जो उम ने पाने के लिये उ-हें हीं		
يُنْفِقُونَ ۚ أُولَٰئِكَ هُمُ الْمُؤْمِنُونَ حَقًّا ۚ لَهُمْ भर्य करते हैं. यही उकीकी मोमिन हैं. उन के लिये उन के		
دَرَجَاتٍ عِنْدَ رَبِّهِمْ وَمَغْفِرَةٌ ۖ وَرِزْقٌ كَرِيمٌ ۝ रब के पास दरजात हैं और मगफिरत है और धजजत वाली रोजी है.		
كَمَا أَخْرَجَكَ رَبُّكَ مِنْ بَيْتِكَ بِالْحَقِّ ۖ وَإِنَّ فَرِيقًا जैसा के आप को आप के रब ने आप के घर से उक के भातिर निकाला. और यकीनन धमान वालों की अेक		
مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ لَكْرَهُونَ ۚ يُجَادِلُونَكَ जमाअत अलबता नापस-द कर रही थी. वो आप से जघड रहे थे		
فِي الْحَقِّ بَعْدَ مَا تَبَيَّنَ كَأَنَّمَا يُسَاقُونَ إِلَى الْمَوْتِ उक के बारे में इस के बाद के वो वाजेउ हो युका, गोया के वो उंके जा रहे थे मौत की तरफ		

وَهُمْ يَنْظُرُونَ ۖ وَإِذْ يَعِدُكُمُ اللَّهُ إِحْدَى

ईस डल में के वो उसे हेभ रहे छे. और जब तुम से अल्लाह वादा कर रहा था हो जमाअतों में से अक का

الطَّائِفَتَيْنِ أَنَّهَا لَكُمْ وَتَوَدُّونَ أَنَّ غَيْرَ ذَاتِ

के यकीनन अक तुम्हारे लिये है और तुम याह रहे थे के (अतरे के) कांटे वाला न हो

الشَّوْكَةِ تَكُونُ لَكُمْ وَيُرِيدُ اللَّهُ أَنْ يُحِقَّ

वो जमाअत तुम्हारे लिये हो जाअे और अल्लाह याहते थे के उक को अपने कलिमात के जरिये

الْحَقَّ بِكَلِمَاتِهِ وَ يَقْطَعَ دَابِرَ الْكَافِرِينَ ۗ

उक साबित करे और काफ़िरो की जस काट दे.

لِيُحِقَّ الْحَقَّ وَيُبْطِلَ الْبَاطِلَ وَلَوْ كَرِهَ الْمُجْرِمُونَ ۗ

ताके वो उक को उक साबित करे और बातिल को बातिल बनाअे अगरचे मुजरिमीन नापसन्द करे.

إِذْ تَسْتَغِيثُونَ رَبَّكُمْ فَاسْتَجَابَ لَكُمْ

जब के तुम अपने रब से मदद तलब कर रहे थे, तो उस ने तुम्हारी हुआ कबूल की

أَنِّي مُمِدِّكُمْ بِالْفِ مِّنَ الْمَلَكَةِ مُرْدِفِينَ ۗ

के मैं लगातार आने वाले अक उजार इरिशतों के जरिये तुम्हारी मदद करूंगा.

وَمَا جَعَلَهُ اللَّهُ إِلَّا بُشْرَىٰ وَلِتَطْمَئِنَّ بِهِ قُلُوبُكُمْ ۗ

और अल्लाह ने उस को नहीं बनाया मगर बशारत और ईस लिये ताके उस से तुम्हारे दिल मुत्मथन हो.

وَمَا النَّصْرُ إِلَّا مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ

और नुस्रत नहीं है मगर अल्लाह ही की तरफ़ से. यकीनन अल्लाह जबरदस्त है,

حَكِيمٌ ۗ إِذْ يُغَشِّيكُمُ النُّعَاسَ أَمَنَةً مِّنْهُ

डिकमत वाला है. जब अल्लाह तुम पर नीन्द डाल रहा था अपनी तरफ़ से अमन के लिये

وَيُنزِلُ عَلَيْكُمْ مِّنَ السَّمَاءِ مَاءً لِّيَطَّهَّرَكُمْ بِهِ

और तुम पर आस्मान से पानी भरसा रहा था ताके उस के जरिये तुम्हें पाक कर दे

وَ يُذْهِبَ عَنْكُمْ رَجْزَ الشَّيْطَانِ وَلِيَرْبِطَ

और तुम से शयतान की गन्दगी को दूर कर दे और तुम्हारे दिलों को

عَلَىٰ قُلُوبِكُمْ وَيُثَبِّتَ بِهِ الْأَقْدَامَ ۗ إِذْ يُوحَىٰ

मजबूत कर दे और उस से कदमों को जमा दे. जब के तुम्हारा

رَبُّكَ إِلَىٰ الْبَلِيَّةِ ۖ أَنِّي مَعَكُمْ فَثَبَّتُوا الَّذِينَ

۲۴۸ رب ईरिशतों को हुकम दे रहा था के मैं तुम्हारे साथ हूँ, तो तुम ईमान वालों को

أَمْنًا ۖ سَأَلْتَنِي فِي قُلُوبِ الَّذِينَ كَفَرُوا

जमाओ रफो. अनकरीब में काफ़िरो के दिलों में रौब

الرُّعْبَ فَاضْرِبُوا فَوْقَ الْأَعْنَاقِ وَاضْرِبُوا

डाल दूंगा, तो तुम मारो गर्दनो के उपर और उन की

مِنْهُمْ كُلَّ بَنَانٍ ﴿۱۲﴾ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ شَاقُّوا اللَّهَ

उंगलियों के डर जोड पर जर्ब लगाओ. ये ईस वजह से के उनको ने अल्लाह और उस के रसूल की

وَرَسُولَهُ ۚ وَمَنْ يُشَاقِقِ اللَّهَ وَرَسُولَهُ

मुखालफ़त की. और जो भी अल्लाह और उस के रसूल की मुखालफ़त करेगा

فَإِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ﴿۱۳﴾ ذَلِكُمْ فَذُوقُوا

तो यकीनन अल्लाह सप्त सजा देने वाला है. उस को तुम यफो

وَأَنَّ لِلْكَافِرِينَ عَذَابَ النَّارِ ﴿۱۴﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

और ये के काफ़िरो के लिये आग का अजाब भी है. ओ ईमान

أَمَنُوا إِذَا لَقِيتُمْ الَّذِينَ كَفَرُوا زَحْفًا

वालो! जब तुम कुफ़र की जमईयत के मुकाबिल हो जाओ तो

فَلَا تُؤَلُّوهُمْ إِلَّا دَبَارًا ﴿۱۵﴾ وَمَنْ يُؤَلِّهِمْ يَوْمَئِذٍ

तुम उन की तरफ़ पीठ मत करो (मत भागो). और जो उन से उस दिन भागे

دُبْرًا إِلَّا مَتَحَرِّفًا لِّقِتَالٍ أَوْ مُتَحَيِّرًا إِلَىٰ فِتْنَةٍ

मगर वो जो लडाई के लिये किनारे पर आने वाला हो या लश्कर की तरफ़ कुव्वत हासिल करने वाला हो,

فَقَدْ بَاءَ بِغَضِبِ مِنَ اللَّهِ وَمَأْوَاهُ جَهَنَّمُ ۗ

तो यकीनन वो अल्लाह के गज़ब को ले कर लौटा और उस का ठिकाना जहन्नम है.

وَبِئْسَ الْبَصِيرُ ﴿۱۶﴾ فَلَمْ تَقْتُلُوهُمْ

और वो बुरी जगा है. फिर तुम ने उन को कत्ल नहीं किया लेकिन अल्लाह ने

وَلَكِنَّ اللَّهَ قَتَلَهُمْ ۗ وَمَا رَمَيْتَ إِذْ رَمَيْتَ وَلَكِنَّ اللَّهَ

उन को कत्ल किया. और आप ने मिकी नहीं ड़की जब के आप ने ड़की थी लेकिन अल्लाह ही ने ड़की.

رَهَى ۛ وَلِيُبْلِيَ الْمُؤْمِنِينَ مِنْهُ بَلَاءً حَسَنًا

और इस लिये ताके अल्लाह अपनी तरफ से आजमाये ईमान वालों को अच्छी तरह आजमाना.

إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۵﴾ ذَلِكُمْ وَأَنَّ اللَّهَ مُوهِنٌ

यकीनन अल्लाह सुनने वाले, ईलम वाले हैं. ये इस वजह से के अल्लाह काफ़िरो के

كَيْدِ الْكُفْرِينَ ﴿۱۶﴾ إِنْ تَسْتَفْتِحُوا فَقَدْ جَاءَكُمْ

भकर को कमजोर करने वाले हैं. अगर तुम इतल तलब करते हो तो यकीनन तुम्हारे पास इतल आ

الْفَتْحُ ۛ وَإِنْ تَنْتَهُوا فَهُوَ خَيْرٌ لَكُمْ ۛ وَإِنْ تَعُدُّوا

पडोगी. और अगर तुम भाग आ जाओ तो ये तुम्हारे लिये बेडतर है. और अगर तुम दोबारा ऐसा करोगे

نَعْدَ ۛ وَلَنْ نَغْنَىٰ عَنْكُمْ فِدَّتْكُمْ شَيْئًا

तो डम ली दोबारा ऐसा करेगे. और डरगिज तुम्हारे काम नडी आअगी तुम्हारी जमईयत कुछ ली

وَلَوْ كَثُرَتْ ۚ وَأَنَّ اللَّهَ مَعَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۷﴾ يَا أَيُّهَا

अगरये वो किल्ली डी जयादा कयूं न हो. और ये इस लिये के अल्लाह ईमान वालों के साथ हैं. अ

الَّذِينَ آمَنُوا أَطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَلَا تَوَلَّوْا

ईमान वालो! तुम अल्लाह और उस के रसूल की ईताअत करो और उस से मुंड मत

عَنْهُ وَأَنْتُمْ تَسْمَعُونَ ﴿۱۸﴾ وَلَا تَكُونُوا

भोडो इस डाल में के तुम सुनते ली हो. और तुम उन लोगों की तरह मत बनो

كَالَّذِينَ قَالُوا سَمِعْنَا وَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ ﴿۱۹﴾

जिन्हों ने कडा के समेना, डालांके वो सुनते नडीं.

إِنَّ شَرَّ الدَّوَابِّ عِنْدَ اللَّهِ الصَّمُّ الْبُكْمُ الَّذِينَ

यकीनन बडतरिन थौपाअे अल्लाह के नजडीक वो बेडरे और गूंगे हैं जो

لَا يَعْقِلُونَ ﴿۲۰﴾ وَلَوْ عَلِمَ اللَّهُ فِيهِمْ خَيْرًا لَأَسْمَعَهُمْ ۚ

समजते ली नडीं. और अगर अल्लाह उन में कोई ललाई जानता तो जरूर उनहें सुनाता.

وَلَوْ أَسْمَعَهُمْ لَتَوَلَّوْا وَهُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿۲۱﴾ يَا أَيُّهَا

और अगर उनहें अल्लाह सुनाता तो वो मुंड डेरते औराज करते डुवे. अ ईमान वालो!

الَّذِينَ آمَنُوا اسْتَجِيبُوا لِلَّهِ وَلِلرَّسُولِ إِذَا دَعَاكُمْ

तुम अल्लाह और रसूल की बात मानो जब तुम्हें वो पुकारें

لِمَا يُحْيِيكُمْ ۚ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ يَحُولُ بَيْنَ

ऐसी चीज की तरफ जो तुम्हें जिन्दागी देती है. और तुम जान लो के अल्लाह डायल डो जाते हैं

الْمَرَّةِ وَ قَلْبِهِ وَ أَنَّهُ إِلَيْهِ تَحْشُرُونَ ﴿۳۷﴾ وَ اتَّقُوا

ई-सान और उस के दिल के दरमियान और ये के तुम उस की तरफ ईकडे किये जाओगे. और तुम डरो

فِتْنَةً لَّا تُصِيبَنَّ الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْكُمْ خَاصَّةً ۚ

उस कितने (आजमाईश) से जो सिर्फ तुम में से आदिमों को नहीं पडोयेगा.

وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ﴿۳۸﴾ وَادْكُرُوا

और जान लो के अल्लाह सप्त सजा देने वाले हैं. और तुम याद करो

إِذْ أَنْتُمْ قَلِيلٌ مُّسْتَضْعَفُونَ فِي الْأَرْضِ تَخَافُونَ

जब के तुम थोडे थे, जमीन में कमजोर किये जा रहे थे, तुम डरते थे के

أَنْ يَتَخَطَّفَكُمُ النَّاسُ فَأَوْكَمُوا وَأَيَّدَكُمُ

तुम्हें लोग उचक लेंगे, फिर अल्लाह ने तुम्हें ठिकाना दिया और तुम्हारी ताईद की

بِنَصْرِهِ وَ رَزَقَكُمُ مِنَ الطَّيِّبَاتِ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۳۹﴾

अपनी नुस्रत के जरिये और तुम्हें उमदा चीजें पाने को ही ताके तुम शुक अदा करो.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَخُونُوا اللَّهَ وَالرَّسُولَ

ओ ईमान वाले! भयानत मत करो अल्लाह और रसूल से

وَ تَخُونُوا أَمْنَكُمْ وَ أَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۴۰﴾ وَاعْلَمُوا

और तुम अपनी अमानतों में भयानत मत करो ईस डाल में के तुम जानते डो. और जान लो के

أَنَّ أَمْوَالَكُمْ وَ أَوْلَادَكُمْ فِتْنَةٌ ۚ وَأَنَّ اللَّهَ عِنْدَ

तुम्हारे माल और तुम्हारी औलाह तो सिर्फ आजमाईश हैं. और ये के अल्लाह के पास

أَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿۴۱﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِنْ تَتَّقُوا

भारी अजर है. ओ ईमान वाले! अगर तुम अल्लाह से डरोगे तो वो तुम्हारे लिये

اللَّهُ يَجْعَلْ لَكُمْ فُرْقَانًا وَ يُكَفِّرْ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ

डक व भातिल के दरमियान ईसला करने वाली कुवत अता कर देगा और तुम से तुम्हारी भुराईयां

وَ يُعْزِرْ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ﴿۴۲﴾ وَادُّ

दूर कर देगा और तुम्हारी मगफिरत करेगा. और अल्लाह भारी इजल वाले हैं. और जब के

يَمْكُرُ بِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا لِيُثْبِتُوكَ أَوْ يَقْتُلُوكَ

आप के साथ कुड़कार मकर कर रहे थे ताके वो आप को कैद कर दें या आप को कत्ल कर दें या आप को

أَوْ يُخْرِجُوكَ ۖ وَيَمْكُرُونَ وَيَمْكُرُ اللَّهُ ۗ وَاللَّهُ خَيْرٌ

वतन से निकाल दें. और वो मकर कर रहे थे और अल्लाह भी तदबीर कर रहे थे. और अल्लाह

الْمَكِرِينَ ﴿۳۰﴾ وَإِذَا تُلِيٰ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا قَالُوا قَدْ

भेडतरीन तदबीर करने वाले हैं. और जब उन पर हमारी आयतें तिलावत की जाती हैं तो केडते हैं

سَمِعْنَا لَوْ نَشَاءُ لَقُلْنَا مِثْلَ هَذَا ۖ إِنْ هَذَا

भस हम ने सुन लिया, अगर हम याहें तो यकीनन हम भी उस के जैसा कलाम केड लें. ये तो

إِلَّا أَسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ﴿۳۱﴾ وَإِذْ قَالُوا اللَّهُمَّ

सिर्फ पेडले लोगों की घडी छुई कडानियां हैं. और जब के उनहों ने कडा अे

إِنْ كَانَ هَذَا هُوَ الْحَقُّ مِنْ عِنْدِكَ فَأَمْطِرْ عَلَيْنَا

अल्लाह! अगर ये तेरी तरफ से डक है, तो तू हम पर आस्मान से

حِجَارَةً مِّنَ السَّمَاءِ أَوْ آتِنَا بِعَذَابٍ آئِيمٍ ﴿۳۲﴾

पथर भरसा या हम पर दहनक अजाभ ले आ. डालांके अल्लाह उनहें

وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُعَذِّبَهُمْ وَأَنْتَ فِيهِمْ ۗ وَمَا كَانَ

अजाभ नडीं देंगे इस डाल में के आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) उन में हैं. और अल्लाह उनहें

اللَّهُ مُعَذِّبَهُمْ وَهُمْ يَسْتَغْفِرُونَ ﴿۳۳﴾ وَمَا لَهُمْ

अजाभ नडीं देंगे इस डाल में के वो इस्तिगफार कर रहे डों. और उन को क्या छुवा

إِلَّا يُعَذِّبَهُمُ اللَّهُ وَهُمْ يَصُدُّونَ عَنِ الْمَسْجِدِ

के अल्लाह उन को अजाभ न दे इस डाल में के वो मस्जिद उराम से रोकते

الْحَرَامِ وَمَا كَانُوا أَوْلِيَاءَ ۗ إِنْ أَوْلِيَاؤُكَ

हैं, डालांके वो उस के डकदार भी नडीं हैं. उस के डकदार तो

إِلَّا الْمُتَّقُونَ وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۳۴﴾ وَمَا كَانَ

सिर्फ मुत्तकी लोग हैं, लेकिन उन में से अकसर जानते नडीं. और उन की नमाज

صَلَاتُهُمْ عِنْدَ الْبَيْتِ إِلَّا مُكَاً ۗ وَتَصَدِيْقُهُ

भयतुल्लाह के पास सिवाअे सीटीयां भजाने और तालियों के नडीं डोती.

فَذُوقُوا الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿۵﴾

तो अजाब यमो इस वजह से के तुम कुड़ करते थे.

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ لِيَصُدُّوا

यकीनन वो लोग जो काफिर हैं वो अपने माल भर्च करते हैं ताके वो

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ۖ فَسَيُنْفِقُونَهَا ثُمَّ تَكُونُ

अल्लाह के रास्ते से रोकें. फिर वो अनकरीब उसे भर्च करेंगे, फिर वो

عَلَيْهِمْ حَسْرَةٌ ثُمَّ يُغْلَبُونَ ۗ وَالَّذِينَ كَفَرُوا

उन पर हसरत का भाईस बनेगा, फिर वो मगलूब होंगे. और जो काफिर हैं

إِلَىٰ جَهَنَّمَ يُحْشَرُونَ ﴿۶﴾ لِيَبَيِّنَ اللَّهُ الْخَبِيثَ

वो जहन्नम की तरफ़ एकट्टे किये जायेंगे. ताके अल्लाह भुरे को अख्छे से

مِنَ الطَّيِّبِ وَيَجْعَلَ الْخَبِيثَ بَعْضُهُ عَلَىٰ بَعْضٍ فَيَرْكَبُ

अलग करे और अल्लाह भुरे को अक दूसरे के उपर कर दे, फिर उस को एकट्टा तेड भ तेड

جَمِيعًا فَيَجْعَلَهُ فِي جَهَنَّمَ ۗ أُولَٰئِكَ هُمُ

कर दे, फिर उस को जहन्नम में ढाल दे. यही लोग भसारा उठाने

الْخٰسِرُونَ ﴿۷﴾ قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ يَنْتَهُوا يُغْفَرْ

वाले हैं. आप काफिरों से इरमा दीजिये के अगर वो भाज आ जायेंगे तो उन के लिये मगफिरत कर दी

لَهُمْ مَا قَدْ سَلَفَ ۗ وَإِنْ يَعُودُوا فَقَدْ مَضَتْ

जायेगी उन गुनाहों की जो पेडले हो चुके. और अगर वो दोबारा अइसा करेंगे तो पेडले लोगों का

سُنَّتُ الْأَوَّلِينَ ﴿۸﴾ وَقَاتِلُوهُمْ حَتَّىٰ لَا تَكُونَ فِتْنَةٌ

तरीका गुजर चुका है. और तुम उन से किताल करो यहां तक के कुड़ का इत्ना भाकी न रहे

وَيَكُونَ الدِّينُ كُلُّهُ لِلَّهِ ۗ فَإِنِ انْتَهَوْا فَإِنَّ اللَّهَ

और दीन सारा का सारा अल्लाह ही के लिये हो जाये. फिर अगर वो भाज आ जायें तो यकीनन

بِمَا يَعْمَلُونَ بِصِيرٌ ﴿۹﴾ وَإِنْ تَوَلَّوْا فَاعْلَمُوا

अल्लाह उन के आमाल को देभ रहे हैं. और अगर वो अइराज करे तो तुम जान लो के

أَنَّ اللَّهَ مَوْلَاكُمْ ۖ نِعْمَ الْمَوْلَىٰ وَنِعْمَ النَّصِيرُ ﴿۱۰﴾

अल्लाह तुम्हारा मौला है, बेहतरीन मौला और बेहतरीन मदद करने वाला है.